अगर हिन्दुस्तान को बदलना है, तो हर जात, हर मज़हब के लड़कों को, लड़कियों को समझना पड़ेगा कि आप ही बदल सकते हो और कोई नहीं बदल सक्ता। जो लोग हिन्दुस्तान के विज़न को समझते हैं, जिनके दिल में हिन्दुस्तान की आग जलती है, मैं उनसे इस स्टेज को भरूंगा। आपका हाथ पकड़ कर आपको यहां बिठाऊंगा। मैं सत्तर-अस्सी साल पहले वाली, महात्मा गांधी जी, जवाहरलाल नेहरू जी, सरदार पटेल जी, मौलाना आज़ाद जी, जगजीवन राम जी वाली कांग्रेस को देखना चाहता हूं। जैसे उन दिनों कांग्रेस पार्टी हुआ करती थी, वैसी ही कांग्रेस पार्टी देखना चाहता हूं। वरिष्ठ नेता हैं, आपकी जगह है, कांग्रेस पार्टी में युवा हैं, आपकी जगह है और कांग्रेस पार्टी के बाहर करोड़ों युवा हैं, आपकी भी जगह है।

हमें मिलकर काम करना है। दुनिया में आज दो विज़न दिखाई दे रहे हैं। एक अमेरिका का विज़न और दूसरा चीन का विज़न है। मैं चाहता हूं कि दस साल के अंदर एक इंडिया का विज़न भी दिखाई दे जाए। पूरी दुनिया ये कहे कि ये तरीक़ा सबसे अच्छा है। भाईचारे का, अहिंसा का, प्यार का। इसके लिए युवाओं को रोज़गार देना होगा। हर ज़िले में कोई न कोई चीज़ है। उत्तर प्रदेश को लीजिए। कानपुर, मिर्ज़ापुर, मुरादाबाद, कोई भी ज़िला देख लीजिए। स्किल की हिन्दुस्तान में कोई कमी नहीं है, इंटेलिजेंस की हिन्दुस्तान में कोई कमी नहीं है ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। कमी एक है, जिसके पास स्किल है, जिसके पास ऊर्जा है, उसके पास बैंक लोन नहीं है, उसके पास टैक्न ?लोजी नहीं है। जो हमारा स्किल का ढांचा है, हर ज़िले में, हम उसे बैंकों के पैसे से और टैक्नॉलोजी से जोड़ने का काम करेंगे।

दूसरी बात, किसान अनाज उगाता है, सब्ज़ी उगाता है। उसका ज़्यादा से ज़्यादा उत्पाद ख़राब हो जाता है। उत्तर प्रदेश की सड़कों पर आलू दिखाई देते हैं। किसान उन्हें फेंक देते हैं। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में फूड पार्कों का नेटवर्क फैलाएगी। हर ज़िले में किसान अपना अनाज, अपनी सब्ज़ी, अपना फल सीधा फूड प्रोसेसिंग फ़ैक्ट्री में जाकर बेचेगा। उन्होंने किसानों को यक़ीन दिलाया कि हमारी सरकार आने पर हम आपकी रक्षा करेंगे, दिल से आपकी रक्षा करेंगे और जैसे हमने सत्तर हज़ार करोड़ रुपये का क़र्ज़ माफ़ किया था, वैसे ही ज़रूरत पड़ने पर आपकी मदद करेंगे। तीसरा सबसे बड़ा काम शिक्षा का है। आज व्यापम स्कैम पूरे देश में फैलाया जा रहा है। दिल्ली में युवा धरना दे रहे हैं। प्रश्न पत्र बिकता है। इसे ख़रीदकर परीक्षा देने वाले पूरे देश में फैल रहे हैं। शिक्षा पर सबका हक़ है। हमारी सरकार आने पर हम देश के कोने-कोने में उच्च शिक्षा की व्यवस्था करेंगे।

उन्होंने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच के फ़र्क़ को बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष में क्या फ़र्क़ है, एक सबसे बड़ा फ़र्क़ है- वो क्रोध और गुस्से का प्रयोग करते हैं, हम प्यार प्रयोग करते हैं। हम भाईचारे का प्रयोग करते हैं और चाहे कुछ भी हो जाए, मैं फिर से दोहराना चाहता हूं कि ये देश हम सबका है, हर धर्म का है, हर जात का है। हर व्यक्ति का है और जो भी पार्टी करेगी, वो पूरे देश के लिए करेगी, देश के हर व्यक्ति के लिए करेगी और किसी को पीछे नहीं छोड़ेगी।

गुजरात चुनाव के दौरान राहुल गांधी के मंदिर जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने उन पर खूब तंज़ किए थे। इस बारे में राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात का चुनाव हुआ और वहां काफ़ी लोगों ने कहा कि मैं मंदिर जाता हूं। अजीब-सी बात है, क्योंकि मैं सालों से गुजरात चुनाव के बहुत पहले से, अपने दौरों पर मंदिर जाता हूं और मैं सिर्फ़ मंदिर में नहीं जाता हूं, मैं मस्जिद में, गुरुद्वारे में, चर्च में भी जाता हूं। मुझे जब भी कोई बुलाता है, मैं जाता हूं। उन्होंने दो मंदिरों का ज़िक्र करते हुए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच के फ़र्क़ को बताया। उन्होंने कहा कि मैं आपको दो मंदिरों की कहानी बताता हूं। अपने दौरों पर दो अलग-अलग मंदिरों के पुजारी मिले, जिसमें एक कांग्रेस समर्थक थे और दूसरे भारतीय जनता पार्टी से थे। पहले मंदिर गया, शिव का मंदिर था, पूजा हो रही थी, पंडित जी बैठे थे। पूजा ख़त्म हुई, अलग-अलग चीज़ें थीं। सवाल पूछने की आदत है, तो मैंने पंडित जी से पूछा, गुरुजी आप मुझे बताइए आपने किया क्या? आपने दूध डाला, पानी डाला, मंत्र पढ़े, आपने क्या किया ? उन्होंने कहा कि बेटा समझना चाहता है, तो इन सिक्योरिटी वालों को परे कर। सिक्योरिटी वालों को परे किया। उन्होंने कहा कि अच्छा इधर आ, पीछे खड़ा हो जा। मंदिर के पीछे दीवार पर माथा लगा। फिर उन्होंने कहा, तू भगवान ढूंढ रहा है न, तो तुझे भगवान कहीं भी मिल जाएगा। जहां तू देखेगा, वहीं मिल जाएगा। मंदिर में ढूंढ रहा है, तो मंदिर में मिलेगा, चर्च में मिलेगा, गुरुद्वारे में मिलेगा, पेड़-पौधों में मिलेगा, आसमान की शून्यता में मिलेगा, जहां तू देखेगा, तुझे भगवान दिखेगा। ये जो हमने किया, ये हम करते हैं, ये हमें करने दे। अगर तू भगवान ढूंढ रहा है, तो जहां भी तू देखेगा, तुझे भगवान दिखेगा। इसके बाद बिल्कुल वही हालात, वैसा ही शिव मंदिर, वही पूजा वही सवाल। मगर पंडित जी ने सवाल का जवाब देने से मना कर दिया, लेकिन मैं अड़ गया। हम बाहर आ चुके थे। पंडित जी ने कहा कि मैंने तेरे लिए पूजा कर दी है। अब तुम प्रधानमंत्री बनने जा रहे हो, वो छत देख रहे हो। ऐसा करना जब तुम प्रधानमंत्री बन जाओ, तो इस पर सोना लगा देना। मतलब एक व्यक्ति सच्चाई कहता है। हमारा भगवान मंदिर में है, मस्जिद में है, चर्च में है, गुरुद्वारे में है, सब जगह है। हम तो पहले पुजारी की तरह सच के सिपाही हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी की राजनीति में बीजेपी का जो धर्म है, वो सिर्फ़ सत्ता को पाने के लिए है। लेकिन हम जनता के लिए लड़ते हैं। हमारे लोगों ने देश के लिए अपना खून दिया है। हम नफ़रत नहीं करते, हम गुस्सा नहीं करते। आप हमें मारो-पीटो, हम आपसे नफ़रत नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि आज देश मुश्किल में है। किसान कहते हैं कि हम जी नहीं सकते। खेती से आमदनी नहीं होती, आत्महत्या करनी पड़ती है। दूसरी तरफ़ करोड़ों युवा बेरोज़गार हैं, उन्हें रास्ता नहीं दिख रहा है। समझ नहीं आ रहा है कि क्या करें। चार साल पहले इन लोगों ने मोदी जी पर भरोसा किया था, जो अब टूट चुका है। ख़त्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि देश में करोड़ों युवा, जो आज थके हुए हैं, जब वे मोदी जी की तरफ़ देखते हैं, तो उन्हें रास्ता दिखाई नहीं देता। उन्हें ये बात समझ नहीं आती कि उन्हें रोज़गार कहां से मिलेगा ? किसानों को उनकी फ़सल का सही दाम कब मिलेगा ? देश एक तरह से थका हुआ है, रास्ता ढूंढ रहा है और मैं दिल से कहता हूं कि देश को सिर्फ़ कांग्रेस पार्टी ही रास्ता दिखा सकती है। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर काम करें, तो कांग्रेस फिर से जीत सकती है।

ग़ौरतलब है कि 16 से 18 मार्च को आयोजित कांग्रेस के 84वें महाधिवेशन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, मोती लाल वोरा, गुलाम नबी आज़ाद, मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों, अंतर्राष्ट्रीय डेलिगेट्स, एआईसीसी सदस्यों, पीसीसी सदस्यों और देश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं ने शिरकत की और अपने विचार रखे।

ऑपरेशन ब्लूस्टार गैर-जरूरी था, इसके कागजात सार्वजनिक होने चाहिए

ब्रिटेन की सरकार ने आपरेशन ब्लूस्टार से संबंधित कागजातों को सार्वजनिक करने की लंदन के सिख समुदाय की एक अर्जी खारिज कर दी है। ब्रिटेन की उस समय की प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के काफी करीब थीं और कहा जाता है कि उग्रवादी धार्मिक नेता जरनैल सिंह भिंडरवाले और उसके समर्थकों को हरमंदिर साहिब परिसर से बाहर निकालने के लिए अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर 1 जून से आठ जून, 1884 के बीच हुई सैनिक कारवाई की योजना बनाने में उन्होंने मदद की। यह जानकारी अब आई है कि एक ब्रिटिश अफसर खुफिया जानकारी के लिए अमृतसर आया था और उसने सारी जानकारी इकट्ठा की जो स्वर्ण मंदिर में छिपे उग्रवादियों पर हमला करने में काम आई। अब यह महसूस किया जा रहा है कि आपरेशन गैर-जरूरी था और भिंडरवाले को अकाल तख्त से दूसरे तरीकों से बाहर निकाला जा सकता था।

लेकिन 34 साल के बाद भी, लोग यह नहीं जानते कि यह आपरेशन क्यों किया गया? बेशक, भिंडरवाले ने अकाल तख्त समेत स्वर्ण मंदिर परिसर को राज्य के रूप में बदल दिया था और इसकी किलेबंदी कर दी थी। वह एक सत्ता बन गया था और उसने सिख समुदाय को आदेश जारी किए। इसके बाद जो आपरेशन हुआ था उसमें टैंक का इस्तेमाल भी करना पड़ा। मुझे याद है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को मध्य रात्रि में जगाना पड़ा था क्योंकि भिंडरवाले और उसके मानने वालों की योजनाबद्ध गोलीबारी के कारण भारतीय सेना के पहले जत्थे को पीछे हटना पड़ा।

आज भी, लोग हरमंदिर साहिब में गोलियों के निशान देख सकते हैं। भारत सरकार की सैन्य कार्रवाई ने उदार सिखों को नाराज किया क्योंकि स्वर्ण मंदिर को अपना वेटिकन समझते हैं। ब्रिटिश सरकार के पास जो जानकारी है उसे पाए बगैर यह जानना कठिन है कि भारतीय सेना को अव्वल तो हरमंदिर साहिब में दाखिल क्यों होना पड़ा।

सैनिक कार्रवाई के कारण पूरी दुनिया के सिख समुदाय में कुहराम मच गया। इस कार्रवाई के बाद पैदा हुए तनाव के कारण भारत में सिख समुदाय के लोगों पर हमले शुरू हो गए। कई सिख सैनिकों ने विद्रोह कर दिया और कई सिख अधिकारियों ने सैनिक तथा नागरिक प्रशासन की सेवा से इस्तीफा दे दिया। कुछ सिखों ने तो सरकार से मिले पुरस्कार और सम्मान भी लौटा दिए।

श्रीमती गांधी इस बारे में सचेत थीं कि सिख समुदाय बदले की कार्रवाई करेगा। उन्होंने भुवनेश्वर की एक जनसभा में कहा था कि उन्हें अंदर से लग रहा है कि उनकी उनकी हत्या कर दी जाएगी। लेकिन उन्होंने जो सोचा वह सरकार का रौब बनाए रखने के लिए था। चार महीने के बाद उनके साथ जो हुआ वह दुखद है। सिख सुरक्षा गार्डों ने उनकी हत्या कर दी जिसे एक बदले की कार्रवाई के रूप में देखा गया। यह यहीं नहीं रूका। सरकारी बयान के मुताबिक इसके बाद हुए सिख दंगों में सिर्फ दिल्ली में तीन हजार सिख मारे गए।

मैं उस टीम का सदस्य था जिसमें जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा, एयरमार्शल अर्जुन सिंह तथा इंदर गुजराल, जो बाद में प्रधानमंत्री बने, थे। हमारा निष्कर्ष था कि सैनिक अभियान जरूरी नहीं था और भिंडरवाले से दूसरे तरीके से निपटा जा सकता था। यह हमने पंजाबी ग्रुप को दी गई रिपोर्ट में बताया। ग्रुप ने हमें सिख विरोधी दंगे की जांच के लिए नियुक्त किया था।

उस समय पीवी नरसिंहाराव गृहमंत्री थे और जब सरकार की कार्रवाई की समीक्षा के लिए हमारी टीम उनसे मिली तो उन्होंने गोलमोल जवाब दिया। बाकी जिन लोगों, जिनमें गवाह भी शामिल थे, से हम लोग मिले उन्होंने इसे सरकार की ओर से जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया का मामला बताया। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हुए सिख विरोधी दंगों को तुरंत रोका जा सकता था, लेकिन उस समय के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने जानबूझ कर पुलिस या सेना को दखल देने के लिए नहीं बुलाया। कहा जाता है कि उन्होंने दंगों को सहज प्रतिक्रिया बताया। कहा जाता है कि उन्होंने यह कहकर अपनी प्रतिक्रिया भी जाहिर की कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती तो हिलती ही है। आज स्वर्ण मंदिर में सेना के प्रवेश करने के तीन दशक बाद, हाल में सार्वजनिक हुए ब्रिटिश दस्तावेजों ने यह दिखा कर कि सिखों के ऐतिहासिक स्थल को फिर से अधिकार में लेने के लिए ब्रिटेन ने भारत को सैनिक सलाह दी थी, दिल्ली तथा लंदन में एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। ब्रिटिश सरकार ने इन खुलासों की जांच करने के आदेश दिए हैं तथा भाजपा ने इसकी सफाई मांगी है।

लेकिन सिख उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई में लगे खुफिया अधिकारियों और आपरेशन ब्लूस्टार का नेतृत्व करने वाले सैनिक अधिकारियों ने किसी ब्रिटिश योजना का इस्तेमाल करने की बात से इंकार किया है। उन्होंने कहा है कि जहां तक उनका संबंध है, सारे आपरेशन की योजना बनाने और अंजाम देने का काम भारतीय सेना ने किया था।

खुलासे ब्रिटेन के राष्ट्रीय अभिलेखागार की ओर से 30 साल की गोपनीयता के नियम के तहत सार्वजनिक किए गए पत्रों की एक श्रृंखला में दिए गए हैं। तारीख 23 फरवरी, 1984 के एक सरकारी पत्राचार, जिसका शीर्षक 'सिख समुदाय' है, ने विदेश मंत्री के एक अधिकारी ने गृहमंत्री के एक निजी सचिव को कुछ पृष्ठभूमि से अवगत कराने की इच्छा जाहिर की है जो देश के सिख समुदायों पर होने वाले परिणाम की संभावना बढ़ा सकती है।

भारतीय अधिकारियों ने हाल ही में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से सिख उग्रवादियों को बाहर निकालने की योजना को लेकर ब्रिटिश सलाह मांगी है। विदेश मंत्री ने भारत के आग्रह का सकारात्मक जवाब देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री की सहमति से स्पेशल एयर सर्विस के एक अधिकारी ने भारत की यात्रा की है और एक योजना बनाई है जिसे श्रीमती गांधी ने स्वीकृति दे दी है। विदेश मंत्री का मानना है कि भारत की सरकार इस योजना के अनुसार जल्द ही आपरेशन करेगी%% पत्र ने कहा है।

पत्र आगे कहता है कि अगर ब्रिटेन की सलाह की जानकारी लोगों के बीच गई तो ब्रिटेन के भारतीय समुदाय में तनाव पैदा होगा। किसी भी पत्र में इसका कोई सबूत नहीं है कि ब्रिटिश योजना को आखिरकार जून 1984 के आपरेशन के लिए इस्तेमाल में लाया गया।

ब्रिटिश सरकार ने लंदन में कहा कि वह इस मामले से अपने संबंधों की जांच कराएगी। "इन घटनाओं के कारण दुखद रूप से लोगों की जानें गई हैं और इन पत्रों से उठने वाली एकदम जायज चिंताओं को हम समझते हैं। प्रधानमंत्री ने कैबिनेट सचिव को इस मामले की तत्काल जांच करने तथा असलियत ठहराने का आदेश किया है" ब्रिटिश सरकार के एक प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा। आपरेशन ब्लूस्टार के कागजातों को सार्वजनिक करना होगा क्योंकि समय बीतने के साथ यह महसूस होता है कि यह एक ऐसा आपरेशन था जिसे नहीं होना चाहिए था।